निर्धनों की संख्या के विषय में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू०एन०डी०पी०) का सूत्र

2540. **श्री राम जेठमलानी:** क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान यू०एन०डी०पी० द्वारा वर्ष 1996 हेतु प्रकाशित मानव विकास प्रतिवेदन की ओर गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या निर्धनता के स्तर को माप करने के लिए "यू०एन०डी०पी०" द्वारा नये दिशा-निर्देश बनाये गये हैं;

(ग) यदि हां, तो इस सूत्र का ब्यौरा क्या है तथा इस सूत्र के अनुसार देश में निर्धनों का अनुमानित प्रतिशत क्या है;

(घ) क्या सरकार ने देश में निर्धनों के संबंध में अपने भी अनुमान लगाये हैं; और

(ङ) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत में देश में निर्धनों की कितनी संख्या हो जाने का सरकार का अनुमान है;

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र के० अलघ): (क) और (ख) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू०एन०डी०पी०) द्वारा प्रकाशित मानव विकास प्रतिवेदन 1996 में मानव वंचित के बहु आयामीय उपाय प्रारम्भ किये गए हैं जिन्हें "सामर्थ्य गरीबी उपाय" (सी पी एम) कहा जाता है। इस सूची में तीन संकेतक सम्मिलित हैं, अर्थात् (क) सु-पोषित और स्वस्थ होने का सामर्थ्य, (ख) स्वास्थ्य पुनर्निर्माण के लिए सामर्थ्य तथा (ग) शिक्षित और सुविज्ञ होने का सामर्थ्य।

(ग) सूची निम्नलिखित का सामान्य औसत है: (क) पांच साल की उम्र के बच्चों का अनुपात जो कम वजन वाले हों (ख) प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उपेक्षित जन्म-दर का अनुपात (ग) 15 वर्ष और उससे ऊपर की महिलाओं में नारी निरक्षरता का अनुपात। यू०एन०डी०पी० द्वारा वर्ष 1993 के लिए भारत में सी पी एम का अनुमान 61.5 प्रतिशत लगाया गया है। फिर भी, इसका अर्थ यह नहीं है कि 61.5 प्रतिशत आबादी गरीब है। सी पी एम प्रणाली द्वारा गरीबी रेखा से नीचे रह रहे लोगों का प्रतिशत प्राप्त करने के लिए कोई बना-बनाया तरीका उपलब्ध नहीं है।

(घ) और (ङ) योजना आयोग घरेलू उपभोक्ता व्यय के संबंध में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एन०एस०एस०ओ०) द्वारा आयोजित पंचवर्षीय सर्वेक्षण आंकड़े के आधार पर गरीबी का अनुमान लगाता है। पूर्ण सर्वेक्षण परिणाम पर आधारित गरीबी के नवीनतम अनुमान वर्ष 1987-88 के लिए उपलब्ध है। यह गरीबी की रेखा के नीचे रह रहे 25.5 प्रतिशत आबादी को दर्शाता है। पूर्ण सर्वेक्षण परिणामों पर आधारित परवर्ती वर्षों के अनुमान उपलब्ध नहीं हैं।

Gas-Based Power Projects

2541. SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of gas-based power projects generating power;

(b) what is the generation of power by them in M.Ws;

(c) the number of new gas-based projects sanctioned during the last five years and of what capacity;

(d) whether Government intend to import gas from Oman and if so, by when;

(e) what is the amount of gas to be imported according to the MOU signed and what would be its expected cost;

(f) whether the landfall point for the Oman gas has been finalised; if so, the location identified for the purpose; and

(g) by when the MOU would be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) and (b) There are 21 number of gas based power projects with an installed capacity of 5478 MW. The energy generation during 1996-97 upto July, 1996 was 9053 million units.

(c) Details of Gas based projects sanctioned during the last five years are as follows: